



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या- 574 राँची, शुक्रवार, 20 श्रावण, 1939 (श०)
11 अगस्त, 2017 (ई०)

ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज)

अधिसूचना
11 अगस्त, 2017

संख्या :- 2773-- गजट अधिसूचना संख्या 507 दिनांक 20 जुलाई, 2017 द्वारा पंचायत राज स्वशासन परिषद के गठन हेतु संकल्प निर्गत है। इस संकल्प की कंडिका 8 में प्रस्तावित पद के लिए "झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद् (सेवा शर्त एवं कर्तव्य) नियमावली 2017" बनाई गयी है। इसे "झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद नियमावली 2017" कहा जाएगा। इस नियमावली में निहित प्रावधान एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप सृजित पदों के विरुद्ध संविदा के आधार पर नियुक्ति की कारवाई की जायेगी।

पंचायत राज व्यवस्था के परिमार्जन, सशक्तिकरण एवं सुदृढीकरण हेतु समय-समय पर सुझाव देने हेतु जनजातीय परामर्शी परिषद के तर्ज पर झारखण्ड पंचायती राज स्वशासन परिषद के गठन का निर्णय लिया गया है एवं इसके अंतर्गत झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद में पदाधिकारियों, कर्मियों की संविदा आधारित नियुक्ति, सेवा शर्त एवं कर्तव्य नियमावली 2017 निम्नवत है :-

"झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद (सेवा शर्त एवं कर्तव्य नियमावली) 2017"**1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ:-**

- क) यह नियमावली "झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद (सेवा शर्त एवं कर्तव्य नियमावली) 2017" कही जायेगी ।
- ख) यह नियमावली सरकार द्वारा गजट अधिसूचना जारी होने की तिथि से प्रवृत्त होगी ।

2. परिभाषाएं

- क) राज्य सरकार से तात्पर्य झारखंड सरकार से है ।
- ख) नियुक्ति पदाधिकारी का तात्पर्य है झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद के अंतर्गत किये जाने वाली गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए पदाधिकारी, कर्मों की नियुक्ति, संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा घोषित पदाधिकारी अथवा सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज प्रभाग), झारखण्ड सरकार से है ।
- ग) नियंत्री पदाधिकारी से तात्पर्य है झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद के अंतर्गत संविदा के आधार पर नियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मों के नियंत्रण हेतु राज्य सरकार द्वारा घोषित पदाधिकारी से है ।
- घ) सेवा शर्त से तात्पर्य है कि नियुक्ति प्रक्रिया, मानदेय, अवकाश, अनुशासनात्मक नियंत्रण आदि से संबन्धित शर्तें ।
- ङ) इस नियमावली में नियमावली शब्द का तात्पर्य इसके अंतर्गत झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद में पदाधिकारियों, कर्मियों की संविदा आधारित नियुक्ति, सेवा शर्त एवं कर्तव्य नियमावली 2017 से है ।

3. विभिन्न स्तरों के पदों का सृजन

- 3.1 झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद के गठन हेतु निम्न पद सृजित किये गए हैं जो तालिका 1 में निम्नवत दिखाई गयी है :-

तालिका 1

क्रमांक	पद का नाम	पद संख्या	मानदेय / संविदा राशि
क)	मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (राज्य स्तर)	1	37400 – 67000 GP - 8700
ख)	जिला समन्वयक (प्रत्येक जिला में एक)	24	5200 – 20200 GP - 2800
ग)	प्रखंड समन्वयक (प्रत्येक प्रखंड में एक)	263	5200 – 20200 GP - 2000

(जिला एवं प्रखंडवार पद परिशिष्ट-6)

- 3.1.1 उपरोक्त वर्णित जिला समन्वयक के पद पर वेतनमान 5200 – 20200, GP – 2800 तथा प्रखंड समन्वयक के पद पर 5200 – 20200, GP – 2000 के अनुरूप नियत मानदेय देय होगा तथा वित्त विभागीय संकल्प संख्या 660 /वि० दिनांक 28-02-2009 द्वारा स्वीकृत वेतनमान /ग्रेड पे अंतिम रुपेन प्रभावी होगा ।
- 3.1.2 राज्य में लागू आरक्षण नीति के अनुरूप समन्वयकों की संविदा पर नियुक्ति विज्ञापन प्रकाशित कर की जाएगी ।
- 3.2 झारखण्ड पंचायत राज स्वशासन परिषद के कर्मियों हेतु अनिवार्य योग्यता एवं कार्यानुभव :-

क) मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

- ❖ आयु सीमा- 35 - 45 वर्ष
- ❖ राष्ट्रीयता- भारतीय
- ❖ सरकार द्वारा नामित भारतीय प्रशासनिक सेवा/राज्य प्रशासनिक सेवा/पंचायत राज सेवा/विशिष्ट व्यक्ति होंगे ।
- ❖ सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा/राज्य प्रशासनिक सेवा/पंचायत राज सेवा के कंडिका 3 (1) (क) में अंकित वेतनमान वाले पदाधिकारी को पदस्थापित किया जा सकता है ।
- ❖ विशिष्ट योग्यता प्राप्त व्यक्तियों को सरकार द्वारा नामित/चयनित किया जा सकेगा जिनकी योग्यता एवं अनुभव निम्नवत होगी :-
 - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से प्रथम श्रेणी में एम.टेक/एम.इ/एम.बी.ए/एम.सी.ए/ पी.जी.डी.आर.डी/ पी.जी.डी.आर.एम/ पी.जी.डी.बी.ए/पी.जी.डी.बी.एम या ग्रामीण विकास/ समाज कार्य/ राजनीति विज्ञान/ लोक प्रशासन/ समाजशास्त्र/ मानवशास्त्र/ भूगोल/ अर्थशास्त्र/वाणिज्य/सांख्यिकी से सम्बंधित विषय में स्नातकोत्तर ।
 - त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, निति निर्धारण एवं विकेंद्रीकरण नियोजन में 10 वर्षों का कार्यानुभव जिसमें 5 वर्षों का अनुभव झारखंड में ग्रामीण विकास/पंचायती राज प्रक्षेत्र में कार्य करने का हो ।
 - पंचायती राज मंत्रालय/ग्रामीण विकास मंत्रालय के कार्यकलापों एवं नीतियों से अवगत हों एवं कार्य करने का अनुभव हो ।
- ❖ कार्य का विवरण :-
 - परिषद के प्रशासी निकाय एवं कार्यकारिणी समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों का अनुपालन ।
 - पंचायत स्वयंसेवकों के चयन, प्रशिक्षण, दायित्व निरूपण, नियंत्रण एवं निष्कासन से सम्बंधित कार्य ।
 - परिषद के संचालन के लिए बजट निर्माण एवं व्यय प्रबंधन ।

- कर्मियों पर प्रशासनिक नियंत्रण एवं प्रगति प्रतिवेदन तैयार करना ।
- परिषद के क्रियाकलापों से सम्बंधित संस्थाओं एवं पदधारकों/हितधारकों से समन्वय
- समय-समय पर परिषद द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य

ख) जिला समन्वयक (जिला स्तरीय एकल पद)

आयु सीमा	21-35 वर्ष
राष्ट्रीयता	भारतीय
स्थानीयता	आवेदक जिस जिले के लिए आवेदन समर्पित कर रहा हो उस जिले का स्थानीय निवासी होना चाहिए
अनिवार्य योग्यता	सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से एम.टेक/एम.इ/एम.बी.ए/एम.सी.ए/ पी.जी.डी.आर.डी/ पी.जी.डी.आर.एम/ पी.जी.डी.बी.ए/पी.जी.डी.बी.एम या ग्रामीण विकास/समाज कार्य/ राजनीति विज्ञान/ लोक प्रशासन/ समाजशास्त्र/ मानवशास्त्र/ भूगोल/ अर्थशास्त्र/वाणिज्य/सांख्यिकी से सम्बंधित विषय में कम से कम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर
कार्य अनुभव	<ul style="list-style-type: none"> • न्यूनतम 3 वर्षों का सरकारी संथाओं/विभागों/प्रतिष्ठित गैर सरकारी संस्थाओं में कार्य का अनुभव • पंचायत राज व्यवस्था के कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी
कार्य का विवरण	<ul style="list-style-type: none"> • पंचायत स्वयं सेवकों के चयन, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन राशि एवं पंचायत के कार्यों में उनकी सहभागिता के सम्बन्ध में परिषद के निर्णयों का अनुपालन • परिषद के वांछित प्रतिवेदनों का प्रेषण • पंचायत राज व्यवस्था से सम्बंधित प्राधिकारों, संस्थाओं, हितधारकों से समन्वय • परिषद द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य

ग) प्रखंड समन्वयक

आयु सीमा	21-35 वर्ष
राष्ट्रीयता	भारतीय
स्थानीयता	आवेदक जिस जिले के लिए आवेदन समर्पित कर रहा हो उस जिले का स्थानीय निवासी होना चाहिए
आरक्षण	कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्गत जिला स्तरीय आरक्षण प्रणाली लागू की जाएगी।
अनिवार्य योग्यता	सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से बी.टेक/बी.ई/बी.बी.ए/बी.सी.ए या ग्रामीण विकास/ समाज कार्य /राजनीति विज्ञान/ लोक प्रशासन/ समाजशास्त्र /मानवशास्त्र /भूगोल /अर्थशास्त्र / वाणिज्य/ सांख्यिकी से सम्बंधित विषय में कम से कम 50% अंकों के साथ स्नातक
कार्य का विवरण	<ul style="list-style-type: none"> पंचायत स्वयं सेवकों के चयन, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन राशि एवं पंचायत के कार्यों में उनकी सहभागिता के सम्बन्ध में परिषद के निर्णयों का अनुपालन परिषद के वांछित प्रतिवेदनों का प्रेषण पंचायत राज व्यवस्था से सम्बंधित प्राधिकारों, संस्थाओं, हितधारकों से समन्वय परिषद द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य

4. चयन प्रक्रिया**विभिन्न पदों हेतु गठित चयन समिति:**

सृजित पदों के विरुद्ध संविदा पर नियुक्ति सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज) के द्वारा गठित चयन समिति के अनुशंसा के आलोक में किया जाएगा। चयन समिति का स्वरूप निम्नवत होगा:-

मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी चयन हेतु समिति:-

1	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज प्रभाग)	अध्यक्ष
2	निदेशक, पंचायत राज निदेशालय	सदस्य
3	कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा नामित ST/SC प्रतिनिधि	सदस्य
4	विभाग द्वारा नामित विशेषज्ञ	सदस्य
5	विभाग द्वारा नामित विशेषज्ञ	सदस्य

जिला समन्वयक चयन हेतु समिति:-

1	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज प्रभाग)	अध्यक्ष
2	निदेशक, पंचायत राज निदेशालय	सदस्य
3	कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा नामित ST/SC प्रतिनिधि	सदस्य
4	विभाग द्वारा नामित विशेषज्ञ	सदस्य
5	विभाग द्वारा नामित विशेषज्ञ	सदस्य

प्रखंड समन्वयक चयन हेतु समिति:-

1	उपायुक्त	अध्यक्ष
2	उप विकास आयुक्त	सदस्य
3	अपर समाहर्ता	सदस्य
4	जिला पंचायत राज पदाधिकारी	सदस्य
5	उपायुक्त द्वारा नामित ST/SC प्रतिनिधि	सदस्य

4.1. मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

- (i) मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी पद के लिए नियुक्ति पदाधिकारी (परिशिष्ट-1) के द्वारा खुला विज्ञापन जारी कर आवेदन प्राप्त किया जाएगा। तत्पश्चात,
- (ii) शैक्षणिक योग्यताओं एवं कार्यानुभव के स्कोर के आधार पर अभ्यर्थियों की श्रेणीवार “प्रारंभिक मेधा सूची” साक्षात्कार हेतु तैयार की जायेगी (परिशिष्ट-2)।
- (iii) शैक्षणिक योग्यता स्कोर, कार्यानुभव स्कोर एवं साक्षात्कार में प्राप्त स्कोर के आधार पर अंतिम मेधा सूची नियुक्ति हेतु तैयार की जायेगी (परिशिष्ट-3)।
- (iv) योग्यता स्कोर निर्धारित करने की प्रक्रिया:-

❖ प्रारंभिक मेधा सूची

क) प्रारंभिक मेधा सूची निर्धारित करने की प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षणिक योग्यता का 60% weightage एवं कार्यानुभव का 20% weightage जोड़ कर निकाला जाएगा (परिशिष्ट-2)।

ख) कुल स्कोर के घटते हुए क्रम में आवेदकों की प्रारम्भिक मेधा सूची तैयार की जायेगी।

❖ **अंतिम मेधा सूची तैयार करने की विधि एवं पदों पर नियुक्ति**

अंतिम चयन के लिए शैक्षणिक योग्यता का 60% weightage, कार्यानुभव का 20% weightage एवं साक्षात्कार का 20% weightage को जोड़ कर तैयार किया जायेगा (परिशिष्ट-3)।

- (v) अंतिम मेधा सूची में पदवार रिक्ति का 2 गुना नाम पैनल के रूप में रहेगा जो अधिकतम 1 वर्ष के लिए वैध रहेगा।
- (vi) अनुपलब्धता/पदत्याग/पद से हटाये जाने/मृत्यु आदि से उत्पन्न रिक्ति को उक्त नियम (v) में वर्णित पैनल के सिद्धांत अनुसार भरा जाएगा।

4.2. जिला समन्वयक की चयन प्रक्रिया:

- (i) जिला समन्वयक पद के लिए नियुक्ति पदाधिकारी (परिशिष्ट-1) के द्वारा खुला विज्ञापन जारी कर आवेदन प्राप्त किया जाएगा। तत्पश्चात,
- (ii) शैक्षणिक योग्यताओं एवं कार्यानुभव के स्कोर के आधार पर अभ्यर्थियों की श्रेणीवार “प्रारंभिक मेधा सूची” तैयार की जायेगी (परिशिष्ट-2)।
- (iii) जिला समन्वयक के पदों के रिक्तियों के विरुद्ध “प्रारंभिक मेधा सूची” से चयन समिति के निर्णय के अनुसार रिक्त पदों की 5 गुना अभ्यर्थियों को लिखित / दक्षता परीक्षा हेतु आमंत्रित किया जाएगा। लिखित / दक्षता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम का निर्धारण जिला समन्वयक चयन हेतु गठित समिति द्वारा किया जाएगा। पूरे राज्य के लिए पाठ्यक्रम एक होगा।
- (iv) शैक्षणिक योग्यता स्कोर, कार्यानुभव स्कोर एवं लिखित / दक्षता परीक्षा में प्राप्त अंक के आधार पर अंतिम मेधा सूची नियुक्ति हेतु तैयार की जायेगी (परिशिष्ट-3)।
- (v) योग्यता स्कोर निर्धारित करने की प्रक्रिया:-

❖ **प्रारंभिक मेधा सूची**

क) प्रत्येक पद के लिए प्रारंभिक मेधा सूची निर्धारित करने की प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षणिक योग्यता का 60% weightage एवं कार्यानुभव का 20% weightage जोड़ कर निकाला जाएगा (परिशिष्ट-2)।

ख) कुल स्कोर के घटते हुए क्रम में आवेदकों की प्रारम्भिक मेधा सूची तैयार की जायेगी।

❖ **अंतिम मेधा सूची तैयार करने की विधि एवं पदों पर नियुक्ति**

अंतिम चयन के लिए शैक्षणिक योग्यता का 60% weightage, कार्यानुभव का 20% weightage एवं लिखित परीक्षा का 20% weightage को जोड़ कर तैयार किया जायेगा (परिशिष्ट-3)।

- (vi) अंतिम मेधा सूची में पदवार रिक्ति का 2 गुना नाम पैनल के रूप में रहेगा जो अधिकतम 1 वर्ष के लिए वैध रहेगा।

- (vii) अनुपलब्धता/पदत्याग/पद से हटाये जाने/मृत्यु आदि से उत्पन्न रिक्ति को उक्त नियम (vi) में वर्णित पैनल के सिद्धांत अनुसार भरा जाएगा।
- (viii) प्रत्येक जिले के लिए मेधा सूची स्वतंत्र होगी तथा किसी अन्य जिले में कम अंक वाले अभ्यर्थी का चयन आवेदक द्वारा आवेदित जिले में चयन का कोई आधार नहीं होगा।

4.3. प्रखंड समन्वयक की चयन प्रक्रिया:

- (i) प्रखंड समन्वयक पद के लिए नियुक्ति पदाधिकारी (परिशिष्ट-1) के द्वारा खुला विज्ञापन जारी कर आवेदन प्राप्त किया जाएगा। तत्पश्चात,
- (ii) शैक्षणिक योग्यताओं के स्कोर के आधार पर अभ्यर्थियों की श्रेणी वार "प्रारंभिक मेधा सूची" लिखित / दक्षता परीक्षा हेतु तैयार की जायेगी (परिशिष्ट-4)।
- (iii) प्रखंड समन्वयक के पदों के रिक्तियों के विरुद्ध "प्रारंभिक मेधा सूची" से चयन समिति के निर्णय के अनुसार रिक्त पदों की 5 गुना अभ्यर्थियों को लिखित / दक्षता परीक्षा हेतु आमंत्रित किया जाएगा। लिखित / दक्षता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम का निर्धारण जिला समन्वयक चयन हेतु गठित समिति द्वारा किया जाएगा। पूरे राज्य के लिए पाठ्यक्रम एक होगा।
- (iv) शैक्षणिक योग्यता अंक एवं लिखित / दक्षता परीक्षा में प्राप्त अंक के आधार पर संविदा पर नियुक्ति हेतु अंतिम मेधा सूची तैयार की जायेगी (परिशिष्ट-5)।
- (v) योग्यता स्कोर निर्धारित करने की प्रक्रिया:-

❖ प्रारंभिक मेधा सूची

क) प्रत्येक पद के लिए प्रारंभिक मेधा सूची निर्धारित करने की प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षणिक योग्यता का 80% weightage के आधार पर निकाला जाएगा (परिशिष्ट-4)।

ख) कुल अंक के घटते हुए क्रम में आवेदकों की प्रारम्भिक मेधा सूची तैयार की जायेगी।

❖ अंतिम मेधा सूची तैयार करने की विधि एवं पदों पर नियुक्ति

अंतिम चयन के लिए शैक्षणिक योग्यता का 80% weightage एवं लिखित / दक्षता परीक्षा का 20% weightage को जोड़ कर तैयार किया जायेगा (परिशिष्ट-5)।

- (vi) अंतिम मेधा सूची में पदवार रिक्ति का 2 गुना नाम पैनल के रूप में रहेगा जो अधिकतम 1 वर्ष के लिए वैध रहेगा।
- (vii) अनुपलब्धता/पदत्याग/पद से हटाये जाने/मृत्यु आदि से उत्पन्न रिक्ति को उक्त नियम (vi) में वर्णित पैनल के सिद्धांत अनुसार भरा जाएगा।

5. अभ्यर्थियों के बीच टाई (Tie) की स्थिति उत्पन्न होने पर चयन की प्रक्रियाएँ

- क) दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों के अंतिम मेधा सूची में टाई (Tie) की स्थिति हो तो जिस अभ्यर्थी के अनिवार्य योग्यता का प्राप्तांक प्रतिशत अधिक होगा उसे प्राथमिकता दी जायेगी।
- ख) यदि तत्पश्चात भी यह पाया जाय कि अभ्यर्थियों के अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता के प्राप्तांक प्रतिशत में समानता है तो जिस अभ्यर्थी के लिखित / दक्षता परीक्षा का प्राप्तांक अधिक होगा उसे प्राथमिकता दी जायेगी।

ग) उपर्युक्त प्रावधानों के पश्चात भी चयन में टाई (Tie) की स्थिति में उम्र में वरीय को प्राथमिकता दी जाएगी।

6. वार्षिक समीक्षा

नियमावली में वर्णित पदों, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला समन्वयक एवं, प्रखंड समन्वयक जिनके नियंत्री पदाधिकारी (परिशिष्ट-1) हैं के द्वारा उनके कार्य की वार्षिक समीक्षा की जाएगी।

7. प्रशिक्षण

नियुक्त पदाधिकारी/कर्मियों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज प्रभाग) द्वारा समय समय पर निर्गत दिशा निर्देशों, मार्गदर्शिकाओं एवं राज्य सरकार द्वारा जारी किये जाने वाले दिशा निर्देशों से भली प्रकार अवगत रहें। आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार द्वारा नियुक्त पदाधिकारी/कर्मियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा सकेगी।

8. संविदा पर नियुक्ति हेतु नियम एवं शर्तें

- 8.1. इन पदों पर नियुक्ति पूर्णतः संविदा (contractual basis) के आधार पर होगी।
- 8.2. ऐसे नियुक्त व्यक्तियों को नियमित रूप से नियुक्त करने का परिषद् पर कोई दायित्व नहीं होगा।
- 8.3. मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को छोड़कर, सभी नियुक्तियां एक वर्ष के लिए की जाएंगी। तत्पश्चात कार्य संतोषजनक पाए जाने पर संविदा के आधार पर नियुक्ति का नवीनीकरण किया जा सकेगा अन्यथा ऐसी नियुक्ति स्वतः रद्द समझी जाएगी।
- 8.4. यदि कोई कर्मि स्वतः सेवा मुक्त होना चाहेगा तो उसे 1 माह पूर्व लिखित रूप से सूचित करने अथवा 1 माह की परिलब्धि जमा करने पर सेवा मुक्त किया जायेगा, किन्तु असंतोषप्रद सेवा की स्थिति में प्रबंधन द्वारा एक माह के पूर्व सूचना एवं एक माह की परिलब्धि दे कर सेवा समाप्त की जाएगी।
- 8.5. संविदा पर नियुक्त कर्मियों को कैलेंडर वर्ष के लिए राज्य कर्मियों के अनुरूप आकस्मिक अवकाश देय होगा परन्तु वे किसी अन्य अवकाश के हकदार नहीं होंगे।
- 8.6. संविदा पर नियुक्त कर्मियों को नियत मानदेय अनुमान्य होगा। नियत मानदेय के अलावे किसी प्रकार का भत्ता अनुमान्य नहीं होगा किन्तु सरकारी कार्य के लिए की गई यात्रा के लिए नियत प्रावधानों के तहत यात्रा भत्ता देय होगा।
- 8.7. संविदा पर नियुक्त कर्मियों के लिए राज्य कर्मियों की तरह आचार संहिता लागू होगा।

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

विनय कुमार चौबे,

सरकार के सचिव।

परिशिष्ट 1

क्र. सं	पद	नियुक्ति पदाधिकारी	नियंत्री पदाधिकारी
1.	मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज)	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज)
2.	जिला समन्वयक	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज)	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज)
3.	प्रखंड समन्वयक	उपायुक्त	जिला पंचायत राज पदाधिकारी

परिशिष्ट 2

(मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं जिला समन्वयक पद के लिए प्रारंभिक मेधा सूची)

[illegible]

परिशिष्ट 3

(मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं जिला समन्वयक पद के लिए अंतिम मेधा सूची)

क्र सं	अभ्यर्थी	शैक्षणिक योग्यताओं का प्राप्तांक प्रतिशत का % weightage				कुल शैक्षणिक योग्यता स्कोर	कार्यानुभव (साल में)	20%weightage कार्यानुभव का	लिखित / दक्षता परीक्षा में प्राप्तांक	20% weightage लिखित / दक्षता परीक्षा के प्राप्तांक का	अंतिम मेधा सूची कुल स्कोर
		मैट्रिक 10%	इंटर 10%	स्नातक 10%	स्नातकोत्तर 30%						
1	2	3				4 (3 का कुल योग)	5	6	7	8	9 (4+6+8)

परिशिष्ट 4

(प्रखंड समन्वयक पद के लिए प्रारंभिक मेधा सूची)

क्र सं	अभ्यर्थी	शैक्षणिक योग्यताओं का प्राप्तांक प्रतिशत का % weightage			प्रारंभिक मेधा सूची कुल स्कोर
		मैट्रिक 20%	इंटर 20%	स्नातक 40%	
1	2	3			4 (3 का कुल योग)

परिशिष्ट 5

(प्रखंड समन्वयक पद के लिए अंतिम मेधा सूची)

क्र सं	अभ्यर्थी	शैक्षणिक योग्यताओं का प्राप्तांक प्रतिशत का% weightage			कुल शैक्षणिक योग्यता स्कोर	लिखित / दक्षता परीक्षा में प्राप्तांक	20% weightage लिखित / दक्षता परीक्षा के प्राप्तांक का	अंतिम मेधा सूची कुल स्कोर
		मैट्रिक 20%	इंटर 20%	स्नातक 40%				
1	2	3			4 (3 का कुल योग)	5	6	7 (4+6)

परिशिष्ट 6

क्र०	जिला	जिला समन्वयक पद	प्रखंड समन्वयक पद
1	रांची	1	18
2	खूंटी	1	6
3	कोडरमा	1	6
4	गिरिडीह	1	13
5	पश्चिम सिंहभूम	1	19
6	सिमडेगा	1	10
7	गढ़वा	1	18
8	पलामू	1	22
9	पूर्वी सिंहभूम	1	11
10	सरायकेला-खरसांवा	1	9
11	हजारीबाग	1	16
12	रामगढ़	1	6
13	लातेहार	1	9
14	चतरा	1	12
15	गुमला	1	12
16	लोहरदगा	1	7
17	बोकारो	1	9
18	धनबाद	1	10
19	देवघर	1	10
20	जामताड़ा	1	6
21	दुमका	1	10
22	गोड्डा	1	9
23	पाकुड़	1	6
24	साहेबगंज	1	9
कुल		24	263
